

# Chintapurni Maa Meri Chinta Harne Maa Lyrics in Hindi and English

## Chintapurni Maa Meri Chinta Harne Maa Lyrics in Hindi

चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ,  
तेरा पिपला हेठा डेरा वेखन नु जी करदा मेरा,  
चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ,

सोहनी सुंदर पहाड़ी उते माँ तू डेरा लगाया,  
कई कंगले वेखे मैं जिह्ना नु तू राह च बिठाया,  
जिह्ना ने माँ एक चित होके मैया मन तेरे वल लाया,  
ओहना दे सब दुखड़े तू एक पल विच हरदी माँ,  
चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ....

पिंडी रूप माँ सोहना तेरा माँ सब दे मन नु भावे,  
जो भी तेरे मंदिर दे माँ शरधा दे नाल आवे,  
बिन मंगिया ही झोली भरदी झोली भर ले जावे,  
चिंतपूर्णी ना तेरा हर चिंता हरदी माँ,  
चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ

श्रद्धा दे नाल नारियल माँ नु जो भी भेट चढ़ावे,  
श्यामा दी शाह भरे भंडारे थोड़ कोई न आवे,  
जो जिस नियत सेवा करदा तेथो तैसा ही फल पावे  
माँ ही माँ ओ तर जावे जिसदी भाह फड़ दी माँ  
चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ

## Chintapurni Maa Meri Chinta Harne Maa Lyrics in English

Chintapurni Maa O meri chinta harni Maa,  
Tera pipla hetha dera vekhan nu ji karda mera,

Chintapurni Maa O meri chinta harni Maa,

Sohni soondar pahaadi ute Maa tu dera lagaya,  
Kai kangle vekhe main jihna nu tu raah ch bithaaya,  
Jihna ne Maa ek chit hoke Maiya man tere val laaya,  
Ohna de sab dukhde tu ek pal vich hardi Maa,  
Chintapurni Maa O meri chinta harni Maa...

Pindi roop Maa sohna tera Maa sab de man nu bhaave,  
Jo bhi tere mandir de Maa shraddha de naal aave,  
Bin mangiya hi jholi bhardi, jholi bhar le jaave,  
Chintapurni Maa tera har chinta hardi Maa,  
Chintapurni Maa O meri chinta harni Maa

Shraddha de naal nariyal Maa nu jo bhi bheth chadhave,  
Shyama di shah bhare bhandare thode koi na aave,  
Jo jis niyat seva karda, teho taisa hi fal paave,  
Maa hi Maa O tar jaave jisdi baah fad di Maa,  
Chintapurni Maa O meri chinta harni Maa.

## About Chintapurni Maa Meri Chinta Harni Maa Bhajan in English

“Chintapurni Maa Meri Chinta Harni Maa” is a devotional bhajan dedicated to **Maa Chintapurni**, a revered form of the goddess **Durga**, worshipped primarily in **Chintapurni** temple in Himachal Pradesh, India. This bhajan praises Maa Chintapurni as the remover of all worries and obstacles, invoking her blessings for the alleviation of troubles and the fulfillment of desires. It conveys the devotion of a devotee who seeks solace and protection from the challenges of life by turning to Maa Chintapurni.

- **Maa Chintapurni as the Remover of Worries:** The central theme of this bhajan is the devotion to Maa Chintapurni, who is believed to remove all worries and challenges. The bhajan starts with the chant, **“Chintapurni Maa, O meri chinta harni Maa”**, expressing the devotee’s faith in Maa Chintapurni to resolve their struggles and bring peace into their life.

- **The Divine Presence of Maa:** The bhajan praises Maa Chintapurni for her divine presence on the hills. **“Sohni soondar pahaadi ute Maa tu dera lagaya”** describes the goddess’s abode on the beautiful hills, symbolizing the divine power and peace that radiates from her temple. The bhajan highlights how Maa guides and protects her devotees.
- **Maa’s Blessings and Miracles:** The bhajan speaks of the miracles performed by Maa Chintapurni, where devotees receive blessings without asking. **“Bin mangiya hi jholi bhardi, jholi bhar le jaave”** reflects the belief that Maa fills the devotee’s life with blessings, even without them asking for anything, highlighting her boundless grace.
- **The Role of Faith and Devotion:** The bhajan emphasizes that faith and devotion to Maa Chintapurni bring relief and fulfillment. **“Jo bhi tere mandir de Maa shraddha de naal aave”** describes how worshiping Maa with pure devotion leads to divine blessings and the removal of life’s burdens.
- **Maa’s Divine Justice and Rewards:** The bhajan also stresses the importance of service and devotion in receiving Maa’s blessings. **“Jo jis niyat seva kardha, teho taisa hi fal paave”** speaks about how the results of one’s devotion and service to Maa reflect their intentions, underlining the concept of divine justice and the rewards of selfless devotion.
- **A Call for Protection and Blessings:** The bhajan concludes by calling for Maa Chintapurni’s protection and blessings, symbolizing a life of peace and contentment under her care. The repetition of **“Chintapurni Maa O meri chinta harni Maa”** reflects the devotee’s continued plea for her blessings, knowing that with Maa’s grace, all difficulties will be overcome.

Overall, **“Chintapurni Maa Meri Chinta Harni Maa”** is a heartfelt devotional song that honors Maa Chintapurni as the divine mother who alleviates worries, offers protection, and blesses her devotees with peace, joy, and prosperity. The bhajan calls for complete surrender and devotion, highlighting the power of Maa’s blessings and her unwavering support for her children.

# About Chintapurni Maa Meri Chinta Harne Maa Bhajan in Hindi

“चिंतापूर्णी माँ मेरी चिंता हरनी माँ” भजन के बारे में

“चिंतापूर्णी माँ मेरी चिंता हरनी माँ” एक अत्यंत भक्ति से भरा और दिव्य भजन है, जो माँ चिंतापूर्णी की महिमा और उनके आशीर्वाद को दर्शाता है। यह भजन माँ चिंतापूर्णी को चिंताओं और दुखों के निवारण के रूप में पूजा जाता है। भक्त अपनी सभी परेशानियों, चिंताओं और कष्टों से मुक्ति पाने के लिए माँ से आशीर्वाद मांगते हैं। यह भजन श्रद्धा, विश्वास और माँ के प्रति प्रेम को व्यक्त करता है और उनके दिव्य रूप की महिमा को स्वीकार करता है।

- **चिंताओं के निवारण की प्रतीक माँ चिंतापूर्णी:** भजन की शुरुआत माँ चिंतापूर्णी को चिंता और दुखों को दूर करने वाली देवी के रूप में प्रस्तुत करती है। “चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिंता हरनी माँ” पंक्ति में भक्त माँ से यह प्रार्थना करता है कि वह उसकी सभी चिंताओं और परेशानियों को समाप्त कर दें। माँ की उपस्थिति में भक्तों को शांति और राहत मिलती है।
- **माँ का दिव्य आशीर्वाद और मार्गदर्शन :** भजन में यह बताया गया है कि माँ चिंतापूर्णी का आशीर्वाद उन लोगों के लिए अत्यधिक फायदेमंद है जो सच्चे मन से उनके दर पर आते हैं। “जो भी तेरे मंदिर दे माँ श्रद्धा दे नाल आवे” पंक्ति में भक्तों की श्रद्धा और विश्वास को रेखांकित किया गया है, जो माँ के मंदिर में श्रद्धा से आते हैं और उनके आशीर्वाद को प्राप्त करते हैं।
- **माँ का प्रेम और दयालुता :** भजन में माँ की दयालुता का भी उल्लेख किया गया है, जहाँ माँ बिना मांगे ही अपने भक्तों की झोली भर देती हैं। “बिन मंगिया ही झोली भरदी झोली भर ले जावे” पंक्ति में माँ के कृपाशील रूप का वर्णन है, जो अपने भक्तों पर दया दिखाती हैं और उन्हें बिना किसी अपेक्षा के आशीर्वाद देती हैं।
- **सेवा और भक्ति का महत्व :** भजन में माँ की सेवा और भक्ति के महत्व को दर्शाया गया है। “जो जिस नियत सेवा करदा, तेथो तैसा ही फल पावे” पंक्ति में यह कहा गया है कि जो भक्त जिस नियत से माँ की सेवा करता है, उसे उसी के अनुसार फल मिलता है। यह भजन सेवा और भक्ति के महत्व को रेखांकित करता है।
- **माँ की शरण में पूरी सुरक्षा :** भजन के अंत में माँ की शरण में जाने की बात की जाती है, जिसमें भक्त माँ से पूरी सुरक्षा और आशीर्वाद की प्रार्थना करता है। “चिंतापूर्णी ना तेरा हर चिंता हरदी माँ” पंक्ति में यह कहा गया है कि माँ की शरण में जाने से सारी चिंताएं और दुख समाप्त हो जाते हैं।

कुल मिलाकर, “चिंतापूर्णी माँ मेरी चिंता हरनी माँ” भजन माँ चिंतापूर्णी के प्रति भक्तों की गहरी श्रद्धा, प्रेम और समर्पण को व्यक्त करता है। यह भजन माँ की कृपा और आशीर्वाद को स्वीकार करने का एक माध्यम है, जो भक्तों को हर प्रकार की चिंता और दुख से मुक्त करने का वादा करता है।